राजस्थान पत्रिका
कोलकाता, शनिवार, 12 दिसम्बर 2009

शुक्रवार को ज्ञान मंच में अमला रुइया व हरिमोहन बांगड़ को स्मृति चिन्ह प्रदान करते न्यायमूर्ति श्यामल कुमार सेन। दूसरी ओर, राजश्री बिड़ला को स्मृति चिन्ह प्रदान करती पद्मा बिन्नानी। पत्रिका

समाजसेवी, दानवीर सम्मानित

भामाशाह सम्मान

सम्मानित की गई चार हस्तियां

कार्यालय संवाददाता

कोलकाता, 11 दिसम्बर। समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चार वरिष्ठ समाजसेवियों एवं दानवीरों उद्योगपति हरिमोहन बांगड़, श्रीमती मृणालिनी साराभाई, श्रीमती राजश्री बिड़ला एवं श्रीमती अमला रुइया को शुक्रवार को 'भामाशाह सेवा सम्मान' से विभूषित किया गया। भामाशाह स्मारक समिति की ओर से ज्ञान मंच में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन सुप्रसिद्ध उद्योगपति बसंत कुमार बिड़ला एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. सरला बिड़ला ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती पद्मा बिन्नानी ने की। इस मौके पर वेणुगोपाल बागड़, कुमार मंगलम बिड़ला समेत उद्योग जगत की कई जानी मानी हस्तियां मौजूद थीं।

सेवा की प्रेरणा

अमला रुइया ने जल संरक्षण के क्षेत्र में काफी काम किया है। उन्होंने राजस्थान के सीकर, अलवर, बीकानेर, झुंझुनू आदि समेत महाराष्ट्र के कई इलाकों में जल संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सम्मान ग्रहण करने के बाद रुइया ने कहा, 'हम थोड़ा सहयोग कर ग्रामीणों और देशवासियों की बड़ी सेवा कर सकते हैं। इस सम्मान के असली हकदार वे हैं, जिन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों में जल संरक्षण की योजनाओं को अंजाम दिया है।'

राजश्री बिड़ला ने शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने कहा, 'इस पुरस्कार के योग्य मैं स्वयं को नहीं मानती हूं। यह पुरस्कार मुझे लोगों की सेवा करने के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।'

उद्योगपति व राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ ने शिक्षा, समाजसेवा व धर्म के कई क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इसी तरह मृणालिनी साराभाई की समाजसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

इस मौके पर स्मारिका का लोकार्पण पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति श्यामल कुमार सेन ने किया।

उद्योगपति वेणु गोपाल बांगड़ ने भामाशाह को याद करते हुए कहा कि वह दानवीर ही नहीं, बल्कि तलवार के भी धनी थे। उन्होंने रणक्षेत्र में महाराणा प्रताप का साथ दिया था।

राजस्थानी संस्कृति की झलक

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। राजस्थानी रंग में रंगे इस समारोह में नृत्य और गीत ने श्रोताओं का मन मोह लिया। गायक पवन सराफ ने राजस्थानी गीत प्रस्तुत किया।